# ओमशान्ति मीडिया

वर्ष - 28 | फरवरी -2026 | अंक - 02 | माउंट आबू | Rs.- 20


■ अहमदाबाद में रचा गया नया इतिहास ■ गुजरात यूनिवर्सिटी के विशाल मैदान में...

# 60,000 लोगों ने एक साथ किया राजयोग ध्यान, बनाया विश्व रिकॉर्ड

**अहमदाबाद-गुज.।** **'विश्व ध्यान दिवस' के अवसर पर प्रथम बार एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक दृश्य देखने को मिला। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा आयोजित 'शान्ति अनुभूति दिव्य समारोह' में 60,000 से अधिक लोगों ने एक साथ सामूहिक राजयोग ध्यान कर नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।** अहमदाबाद यूनिवर्सिटी ग्राउंड में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वैश्विक शान्ति के लिए शक्तिशाली संकल्प व्यक्त करना था। यह समारोह गुजरात में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की ईश्वरीय सेवाओं की हीरक जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इसमें गुजरात सहित भारत के अन्य राज्यों और 15 से अधिक देशों के लगभग 2000 प्रतिनिधि और ब्रह्माकुमारीज़ के गुजरात राज्य से तथा स्थानीय 60,000 लोग शामिल हुए।

**गुजरात के ईश्वरीय सेवाओं की हीरक जयंती एवं विश्व ध्यान दिवस के निमित्त शान्ति अनुभूति दिव्य समारोह का आयोजन**

श्वेत वस्त्रधारी योगियों की उपस्थिति ने पूरे वातावरण को अलौकिक बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 60 तपस्वी बहनों का कमल आसन पर बैठकर गहन ध्यान करना था, जिससे पूरा मैदान आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया। ब्रह्माकुमारीज़ की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने इस अवसर पर कहा कि "योग और ध्यान जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं और मन, बुद्धि एवं आत्मा के बीच संतुलन बनाते हैं।" दीदी ने आगे कहा की अशान्ति के समय में मानव मन को शान्ति की ओर प्रेरित करने का यह दिव्य प्रयास है। उन्होंने कहा की राजयोग मेडिटेशन में जीवन को सुख, शान्ति और आनन्द से भरपूर बनाने की शक्ति है। आध्यात्मिकता और राजयोग मेडिटेशन जीवन को ज्यादा सरल और सफल बनाता है।

## 60 राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनों ने कमल आसन पर बैठ ध्यान योग से कराई ब्रह्मलीन शान्ति की अनुभूति

- ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान ने विश्व के 140 देशों में करोड़ों लोगों को भारत की शाश्वत संस्कृति और जीवनशैली का सिंचन किया है।
- समारोह के दौरान ब्रह्माकुमारीज़ गुजरात की 60 वर्ष की ईश्वरीय सेवाओं की झलक दर्शाकर विशेष प्रस्तुति तथा प्रतिष्ठित महानुभावों के शुभेच्छा वीडियो संदेश भी प्रदर्शित किए गए।
- कार्यक्रम का लाइव टेलिकास्ट किया गया, जिससे घर बैठे लाखों लोगों ने मन से जुड़कर सामूहिक राजयोग मेडिटेशन का लाभ लिया। यह ऐतिहासिक शान्ति अनुभूति दिव्य समारोह से घर, परिवार, समाज, देश और विश्व शान्ति के लिए एक अद्भुत और प्रबल आध्यात्मिक संदेश दिया। वहाँ उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति ने हृदय में शान्ति की दिव्य अनुभूति की। समारोह में सात मूल्यों पर आधारित 'सप्तरंगी थीम' के माध्यम से 100 से भी अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस ऐतिहासिक अवसर पर गुजरात यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. नीरजा गुप्ता, अहमदाबाद पुलिस कमिश्नर जे.एस. मलिक और संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम ने न केवल विश्व रिकॉर्ड बनाया, बल्कि समाज और विश्व शान्ति के लिए एक प्रबल आध्यात्मिक संदेश भी दिया।

## कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

- 70,000 लोगों की उपस्थिति होने के बावजूद भी संपूर्ण शान्त वातावरण में अलौकिक राजयोगी लोग जैसे कि देवदूत की तरह दिखाई दे रहे थे।
- सत्तर हज़ार भाई-बहनों के लम्बे समय से राजयोग अपनाने के कारण उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। यह अद्भुत सिद्धि है।
- सात मूल्यों पर आधारित सप्तरंगी थीम के साथ गीत, संगीत, नृत्य-कला और संस्कृति का 100 से भी अधिक कलाकारों द्वारा आध्यात्मिक और अद्भुत संगम स्वरूप अलौकिक प्रस्तुति को निहार कर सभी ने धन्यता का अनुभव किया।
- विशेष रूप से 60 तपस्वी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी बहनें कमल आसन पर बैठ कर पवित्रता के प्रतीक-रूप व गहन ध्यान में लीन हो गईं, जिसने समग्र वातावरण को अति पवित्र बना दिया और लोगों ने हृदय में गहन शान्ति का अनुभव किया।